Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 33 , 27 अक्टुबर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

स्विस दंपति पर हमला मामले मे योगी ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश,

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फतेहपुर सीकरी में स्विट्जरलैंड के दंपति पर पत्थर फेंके जाने की घटना पर कठोरतम कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इससे पहले केन्द्र सरकार ने भी फतेहपुर सीकरी में बुधवार को एक विदेशी युगल पर हुए हमले की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से इसकी रिपोर्ट मांगी है। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पर्यटन मंत्री केजे अलफोंस ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बाकायदा पत्र लिखा है और कहा है कि पूरे मामले की रिपोर्ट दी जाए।

गिरिजा देवी को श्रद्धांजलि के साथ शास्त्रीय संगीत महोत्सव शुरू

नई दिल्ली। प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका गिरिजा देवी को श्रद्धांजलि देने के साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित आठवां दिल्ली शास्त्रीय संगीत महोत्सव शुरू हो गया। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस संगीत समारोह का उद्घाटन करते हुए इसे ठुमरी मलिका गिरजा देवी को समर्पित करते हुए कहा कि उनकी विरासत चलती रहेगी। सिसोदिया ने कहा कि महान गायिका गिरिजा देवी के निधन के साथ ही एक युग का अंत हो गया। मैं उनके परिवार तथा छात्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के संगीत प्रेमी भाग्यशाली रहे कि उन्हें ठुमरी महोत्सव सहित कई अन्य मौकों पर उनकी प्रस्तुति का आनंद लेने का मौका मिला । उन्होंने कहा कि एक छोटी श्रद्धांजलि के तौर पर हमने दिल्ली शास्त्रीय संगीत महोत्सव उनको समर्पित किया है। मुझे भरोसा है कि उनकी विरासत बरकरार रहेगी ।

प्लास्टिक थैली के प्रयोग को रोकने के लिए पर्यावरण मंत्री सक्रिय

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन ने राजधानी में प्लास्टिक थैलियों के प्रयोग को रोकने के लिए ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश को लागू करने संबंधी समीक्षा बैठक की। ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आदेश दिया है कि यदि कोई व्यक्ति प्लास्टिक के थैले का प्रयोग करता पाया जाता है तो उसे प्रत्येक गलती के लिए पांच हजार रपए का पर्यावरण हर्जाना चुकाना होगा।बुधवार की बैठक में एनडीएमसी, तीनों नगर निगमों, राजस्व विभाग, डीपीसीसी एवं दिल्ली छावनी बोर्ड के अधिकारी शामिल हुए। इन अधिकारियों पर उक्त आदेशों के पालन कराने की जिम्मेदारी है।अब तक 50 माईक्रोन से कम मोटाई के लगभग 30,000 किलोग्राम प्लास्टिक के थैले जब्त किए जा चुके हैं और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ लगभग 1600 चालान जारी किए गए हैं। इस तरह कुल 31 लाख रपए पर्यावरण हर्जाने के तौर पर वसूल किए गए हैं।सभी प्रयासों के बावजूद अब भी बहुत से स्थानों पर प्लास्टिक के थैले प्रयोग किए जा रहे हैं। पर्यावरण मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने अभियान में तेजी लाएं ताकि लोगों को प्लास्टिक थैलों के प्रयोग से कारगर रूप से रोका जा सकें। इसके लिए पूरी दिल्ली में प्रत्येक दुकान की जांच की जाने की आवश्यकता है। गलियों के फेरीवाले एवं सब्जीमंडियों को भी इस प्रकार के प्लास्टिक के थैलों का इस्तेमाल करने से रोकने की आवश्यकता है।

सड़क परियोजनाओं के लिए धन की कमी नहीं

नई दिल्ली। बाजार से भी जुटाएंगे धन एनएचएआई ट्रिपल ए रेटिंग के भरोसे बाजार से मिलेगा धनभारतमाला और सागरमाला परियोजनाओं से बदलेगी देश की तस्वीरऔद्योगिक विकास के साथ-साथ बढ़ेगा व्यापार और रोजगार देश में बुनियादी ढांचागत विकास के लिए धन कोई कमी नही हैं। खासकर सड़क परियोजनाओं के लिए जितना धन चाहिए मिलेगा, क्योंकि रोड सेक्टर में तेजी से काम हो रहा है। भारतमाला और सागरमाला जैसी परियोजनाएं देश की तस्वीर बदल देंगी। भारतमाला कार्यक्रम जहां सात लाख करोड़ रपए का है, वहीं सागरमाला कार्यक्रम 16 लाख करोड़ रपए का है। भारतमाला कार्यक्रम के लिए सरकार की वित्तीय मदद के साथ-साथ बाजार से भी पूंजी जुटाई जाएगी। इसके लिए एनएचएआई पूरी तरह से कसौटी पर फिट है। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारतमाला कार्यक्रम के प्रथम चरण के लिए 5,35,000 करोड़ रपए में से दो लाख करोड़ रपए का फंड बाजार से जुटाया जाएगा।

गोली मारकर महिला की हत्या

शालीमार बाग इलाके में बुधवार तड़के अज्ञात बदमाशों ने एक कार पर फायरिंग कर एक महिला की हत्या कर दी।

नई दिल्ली। शालीमार बाग इलाके में बुधवार तड़के अज्ञात बदमाशों ने एक कार पर फायरिंग कर एक महिला की हत्या कर दी। हमले के दौरान कार में मौजूद महिला का पति व उसका दो साल का बेटा बाल-बाल बच गए। मृत महिला का नाम प्रिया मेहरा है। पुलिस ने महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृत महिला रोहिणी के सेक्टर-15 की रहने वाली थी और अज्ञात हमलावरों ने उसे बेहद नजदीक से सिर व गले में गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शालीमार बाग इलाके में बुधवार तड़के कार सवार दंपति से झगड़े के बाद अज्ञात बदमाशों ने अचानक उनपर गोलियों की बौछार कर दी। वारदात में कार सवार प्रिया मेहरा की मौत हो गई। महिला के पति पंकज मेहरा ने प्रारंभिक पूछताछ में रपए के लेनदेन को लेकर चल रहे विवाद को हत्या की वजह बताया है। हालांकि पुलिस की तरफ से उसे भी अभी क्लीनचीट नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक पंकज मेहरा रोहिणी सेक्टर 15 में सपरिवार के साथ रहते हैं और पहाड़गंज इलाके में रेस्टोरेंट चलाते हैं। मंगलवार रात दंपति अपने बच्चे के साथ हडसन लेन स्थित अपने भाई के रेस्तरां में गए थे। देर रात पत्नी व बेटे के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब गए और तड़के रिट्ड कार में वापस लौटते वक्त लगभग सवा चार बजे बादली लालबत्ती के पास एक स्विफ्ट कार ने ओवरटेक कर दंपति की कार रुकवा ली। इसके बाद स्विफ्ट कार से एक युवक पिस्टल लेकर बाहर निकला और पंकज की कार का शीशा तोड़कर उसे धमकाने लगा।

पंकज ने उसका विरोध किया। दोनो के बीच हाथापाई होने लगी। इस बीच युवक ने अचानक गोलियां चलाने लगा दी। फायरिंग के दौरान एक गोली प्रिया के गले में जबकि दूसरी चेहरे पर जा लगी। पंकज के मुताबिक फायरिंग के दौरान अचानक युवक की पिस्टल में गोली फंस गई और आरोपी भागकर अपनी कार से दूसरा हथियार लेने गया और इस दौरान वह वहां से भाग निकले और पत्नी का उपचार कराने अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने प्रिया को मृत घोषित कर दिया। पूछताछ में पंकज मेहरा ने जिस शख्स पर शक जताया है, वह फिलहाल फरार बताया जाता है।

शालीमार बाग इलाके में प्रिया मेहरा नामक महिला की हत्या में उसके किसी परिचित के शामिल होने की संभावना है। आशंका है कि अज्ञात हत्यारा महिला या उसके पति का जानकार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पति की उधारी व रपए के लेन-देन में हुए विवाद में महिला की हत्या की गई। मामला आपसी रंजिश व लूटपाट का भी हो सकता है। पुलिस विभिन्न दृष्टिकोणों से मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने आशंका जताई है कि हथियारबंद हमलावर संभवतः महिला के पति पंकज मेहरा को मारने आए थे, लेकिन गलती से गोली कार में बैठी उनकी पत्नी प्रिया मेहरा को जा लगी और उनकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक महिला के पति पंकज मेहरा ने पुलिस को बताया है कि उसने सोनीपत के एक कारोबारी से कुछ दिन पहले पांच लाख रपए उधार लिए थे, जिस पर अत्याधिक ब्याज लगाकर उसपर 40 लाख रपए की उधारी खड़ी कर दी गई। उनके मुताबिक उधार देने वाला व्यक्ति रकम की वापसी के लिए उस पर दबाव बना रहा था, ऐसे में आशंका है कि संभवतः उन्होंने ही उसे मारने को बदमाश भेजे थे। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक ने पंकज मेहरा ने पुलिस को बताया कि हमलावरों की संख्या तीन या चार थी। इनमें से पंकज एक का ही चेहरा देख पाया। उसने यह बताया कि वह पहले से हमलावर को नहीं जानता है। फिलहाल पुलिस पंकज के इस बयान की सच्चाई का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस पंकज की उस बयान की जांच-पड़ताल कर रही है, जिसके मुताबिक दो गोली चलाने की बाद हमलावर की पिस्टल जाम हो गई थी। पुलिस ने बताया कि पंकज ने पत्नी की हत्या के लिए सोनीपत के कारोबारी पर ही मुख्य तौर पर शक प्रकट किया है, लेकिन पुलिस को यह समझ नहीं आ रहा है कि यदि कर्ज पंकज ने लिया था तो हमलावरों ने उसकी पत्नी को क्यों मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के मुताबिक पंकज मेहरा से प्रिया के साथ उनकी शादी से लेकर विभिन्न प्रकार के निजी सवाल भी किए गए हैं और अभी उसे क्लीनचीट नहीं दी गई है।

सुनंदा पुष्कर केसः

सुब्रमण्यम स्वामी को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, ठुकराई याचिका

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राज्यसभा सांसद और मशहूर वकील सुब्रमण्यम स्वामी को दिल्ली हाईकोर्ट ने झटका दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सुनंदा पुष्कर की मौत की दोबारा जांच की मांग करने वाली सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज कर दी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह इस बात को देख कर हैरान हैं कि यह जनहित याचिका के भेष में, राजनीतिक हित याचिका का एक स्पष्ट उदाहरण है।

अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि स्वामी ने वह डेटा या जानकारी छिपाई जिनका उन्हें पहली बार में खुलासा करना चाहिए था। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि वे स्वामी के इस विचार से इत्तेफाक नहीं रखते कि इस मामले में जांच को शशि थरूर ने प्रभावित किया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालतों को इस मामले में सावधानी बरतने की आवश्यकता है कि राजनीतिक व्यक्ति अपने हितों के लिए न्यायिक प्रक्रिया का इस्तेमाल नहीं करें। बता दें कि स्वामी ने इस साल 6 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी।

इस याचिका में स्वामी ने कोर्ट से गुजारिश की थी कि सुनंदा पुष्कर मौत के मामले में दोबारा जांच कराई जाए और उसकी निगरानी कोर्ट खुद करे।

हार्दिक को राहतः

भाजपा विधायक दफ्तर में तोड़फोड़ केस में मिली जमानत, भरा 5000 का बॉन्ड

महेसाणा। पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के नेता हार्दिक पटेल आज गुजरात में महेसाणा जिले के विसनगर तालुका की एक अदालत में पेश। यहां अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर कर ली।

23 जुलाई 2015 को विसनगर में पाटीदार समुदाय को आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर निकाली गयी एक रैली के दौरान भड़की हिंसा में स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक ऋषिकेश पटेल के कार्यालय में तोड़फोड़ तथा वाहनों को आग लगाने से जुड़े इस मुकदमे में हार्दिक को गुजरात हाई कोर्ट ने पिछले साल 11 जुलाई को जमानत मंजूर की थी।

विसनगर के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने लगातार तीन तारीखों पर गैरहाजिर रहने के कारण हार्दिक के अलावा इस मामले में कुल 19 आरोपियों में से एक अन्य तथा पाटीदारों के एक अन्य संगठन सरदार पटेल ग्रुप के प्रमुख लालजी पटेल के खिलाफ कल बुधवार को गैर जमानती वारंट जारी किया था। हार्दिक पटेल की

पांच हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत मंजूर की गयी।

हार्दिक के वकील राजेन्द्र पटेल ने अदालत में कहा कि उनके मुवक्किल व्यस्तता के कारण निर्धारित तिथियों पर न्यायालय में हाजिर नहीं हो सके। इस मामले में शुरू में हार्दिक समेत सात आरोपी थे पर बाद में जांच के क्रम में 11 और आरोपी बनाये गये। हार्दिक पर अगस्त 2015 में हिंसक आंदोलन को लेकर राजद्रोह के दो मामलों समेत आधा दर्जन से अधिक मामले चल रहे हैं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने कल ही गुजरात में चुनाव तिथियों की घोषणा की और कल ही हार्दिक के खिलाफ गैर जमानती वारंट किया गया। गुजरात में नौ और 14 दिसम्बर को मतदान होगा और 18 दिसम्बर को मतों की गिनती की जायेगी।

मरीजों को दवाएं न मिलने पर सीएम ने लताड़ा

दवा नहीं दी तो अगले दिन सुबह 9 बजे आओ सीएम आवास, साथ में प्रधान सचिव को भी लाना

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को 100 फीसद दवाएं उपलब्ध कराने के लिए बीते दिनों सरकार ने 1031 टेली मेडिसिन कॉल सेंटर शुरू तो कर दिया, लेकिन अब तक इससे मरीजों को बड़ी राहत नहीं मिली है। यही वजह है कि बुधवार को अधिकारियों की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लताड़ लगाते हुए कहा कि अगर मरीज को दवा नहीं दे पाते हो तो अगले दिन सुबह 9 बजे मुख्यमंत्री आवास आकर मिलो। साथ में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव और सचिव को भी साथ में लेकर आना। मुख्यमंत्री की इस फटकार के बाद स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों के आला अधिकारियों के पसीने छूट गए। बैठक से निकलने के बाद हर कोई अपने यहां टेली मेडिसिन कॉल सेंटर को गंभीरता से लेने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अधिकारियों को चेतावनी देते कहा है कि अबसे हेल्पलाइन से जुड़ी सभी शिकायतों की रिपोर्ट उनके पास भेजी जाएं।

वह पता लग सकें कि कितने मरीजों ने दवाएं न मिलने पर शिकायत दी, इनमें से कितनों को दवाएं मिलीं और कितनों को नहीं।

नोडल ऑफिसर हो रहे फेलः नोडल ऑफिसर हो रहे फेलः मरीजों को शत प्रतिशत दवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने हर अस्पताल में नोडल ऑफिसर तैनात किया है।

हेल्पलाइन पर कॉल दर्ज कराने के बाद जिस अस्पताल में मरीज है, वहीं के नोडल ऑफिसर को शिकायत पहुंचती है।

साथ ही इसी की जिम्मेवारी है कि मरीज की शिकायत का समाधान करे, लेकिन सीएम की बैठक में कई नोडल ऑफिसर अपने काम को सही ढंग से करने में नाकामयाब साबित हुए हैं।

सलाहुद्दीन का बेटा सात दिन की एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2011 के आतंकी वित्त पोषण के एक मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वांछित आतंकवादी सैयद सलाहुद्दीन के बेटे सैयद शाहिद यूसुफ को सात दिन के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया। यूसुफ पर अपने पिता से कथित तौर पर धन लेने का आरोप है। एनआईए ने यूसुफको मंगलवार को गिरफ्तार किया था। उसे बुधवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम ए बम्बा के समक्ष पेश किया गया जिन्होंने यूसुफ को हिरासत में लेने की जांच एजेंसी की अपील स्वीकार कर ली। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर सरकार के कृषि विभाग में काम करने वाले 42 वर्षीय शाहिद को एजेंसी के मुख्यालय में समन किया गया था। वहां पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एनआईए का आरोप है कि शाहिद यूसुफ को अमेरिका स्थित एक अंतरराष्ट्रीय धन अंतरण कंपनी के जरिए एजाज अहमद भट से रकम प्राप्त हुई। एजाज इस मामले में एक अन्य आरोपी है और फरार है। बताया जाता है कि एजाज फिलहाल सऊदी अरब में रह रहा है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि यूसुफ भट के कई भारतीय संपकरे में से एक है।

मिहींपुरवा के भगहर नाले में पहुंचे तीन मगरमच्छ, एक को पकड़ा

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग से सटे मिहींपुरवा कस्बे के भगहर नाले में तीन मगरमच्छ पहुंच गए हैं। इसकी भनक लगते ही लोगों में दहशत फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि बाढ़ के दौरान बह कर आए मगरमच्छ ने भगहर नाले (बूढ़ी नदी) को अपना बसेरा बना लिया था। सूचना पाकर पहुंची वन महकमे की टीम ने एक मादा मगरमच्छ को ग्रामीणों की मदद से पकड़ा और कतर्नियाघाट में बहने वाली गेरुआ नदी में छोड़ दिया। डीएफओ ने अन्य मगरमच्छों को पकड़ने का भरोसा दिलाया है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र में मिहींपुरवा कस्बे के पास भगहर नाला है, जो कभी बूढ़ी नदी हुआ करती थी। लेकिन समय के साथ नदी विलुप्त हो गयी। यह नाला मिहींपुरवा, परवानी गौढ़ी व कुड़वा ग्राम पंचायतों की सीमा से लगा हुआ है। वर्तमान में तहसील प्रशासन की ओर से इस नाले में ग्रामीणों को मत्स्य पालन के लिए पट्टा आवंटित कर किया गया है। गुरुवार की सुबह ग्रामीण नाले की ओर गए थे। तभी उन्हें बीजेपी नेता योगेश प्रताप सिंह के घर के पास बंधे पर विशालकाय मगरमच्छ दिखाई पड़ा। उसे देखते ही वहां भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने गोताखोरों को बुलाया और कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज कार्यालय को सूचना दी। वन कर्मियों की टीम ने ग्रामीणों की मदद से लाठी-डंडों और रस्सी के फंदे के सहारे मगरमच्छ को काबू में कर लिया। टीम ने मगरमगच्छ को कब्जे में लिया और उसे कतर्नियाघाट लाकर गेरुआ नदी में छोड़ दिया।

योगेश प्रताप सिंह का कहना है कि उनके घर के समीप तीन मगरमच्छ कई दिनों से डेरा जमाए हुए थे। ग्रामीणों की मदद से एक मगरमच्छ पकड़ा जा सका है, लेकिन अभी भी दो बड़े मगरमच्छ इसी नाले में मौजूद हैं। यदि वन विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया तो मगरमच्छ ग्रामीणों, मत्स्य पालन और सिंघाड़ा की खेती करने वाले किसानों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नाले में मछली पालन करने वाले किसान मिहींपुरवा निवासी जगदीश प्रसाद का कहना है मगरमच्छ की मौजूदगी के कारण कोई भी ग्रामीण तालाब में आखेट करने नहीं उतर रहा। व्यवसाय चौपट हो रहा है। अभी दो और मगरमच्छ नाले में बसेरा बनाये हुए हैं।

दो ग्रामीणों को कर चुका है घायल

कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी जीपी सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से मादा वयस्क मगरमच्छ को पकड़ कर कतर्नियाघाट लाया गया है। इसकी उम्र करीब आठ वर्ष की है।

यह मगरमच्छ ने दो ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुका है। इसके अलावा यह कई बकरी व कुत्ते भी खा चुकी है। यह जुलाई में सरयू नदी में

आई बाढ़ के दौरान पानी के तेज बहाव के साथ बहकर नाले में पहुंची थी। ग्रामीणों ने नाले में अभी दो और मगरमच्छ होने की जानकारी दी है। मोतीपुर रेंजर खुर्शीद आलम को उन्हें पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

जिसका मन जिससे लग गया, वह उसी में रूप-गुण सब कुछ देखता है। प्रेम स्वाधीन को पराधीन कर सकता है। स्नेह के अतिरिक्त यह सामर्थ्य किसमें है -दयाराम

उद्यमियों का कर्ज

सरकार ने ऐलान किया है कि सरकारी बैंकों को दो लाख 11 हजार करोड़ रु पये दिए जाएंगे, बतौर नई पूंजी। इस पूंजी से सरकारी बैंक अपने कामकाज को बेहतर बना सकेंगे। बैंकिंग उद्योग के लिए नकद कच्चा माल है, जैसे कार बनाने के लिए लोहा कच्चा माल है, वैसे ही बैंक उद्योग में कर्ज देने के लिए नकद कच्चा माल है। इस कच्चे माल की गहरी कमी सरकारी बैंकों में महसूस की जा रही थी। खासकर सरकारी बैंकों में डूबत खातों का मसला भी बहुत चिंताजनक था और अब भी है। कुल मिलाकर सरकारी बैंकों पर आरोप लगते हैं कि राजनीतिक दबावों में उन्होंने कई उद्यमियों को भी कर्ज दिए। विजय माल्या को दिए गए सरकारी बैंकों द्वारा कर्ज ऐसे ही कर्ज माने गए। पर देखने वाली बात यह है कि सिर्फ रुपयों से, सिर्फ पूंजी से ही कारोबार नहीं चलते। प्रबंध कौशल के बिना बड़ी सी बड़ी पूंजी डूब जाती है। सरकारी संगठन एयर इंडिया लगातार पूंजी डुबो ही रहा है। उड्डयन बाजार में निजी क्षेत्र की कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, जबरदस्त आधारभूत ढांचे के बावजूद एयर इंडिया में रकम डूब रही है। यानी सिर्फ रकम से ही समस्याओं का समाधान नहीं होना है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जो नई रकम सरकारी बैंकों में जाएगी, उसका सही इस्तेमाल हो। उसका उत्पादक इस्तेमाल हो। सरकारी बैंकों को जब सरकार नये संसाधन देती है, तो वह मूलत करदेयक की रकम ही होती है।

सरकार इस रकम का कुछ और बेहतर इस्तेमाल भी कर सकती थी, इससे कुछ नये पुल, कुछ नई सड़कें, कुछ और रोजगार योजनाएं चलाई जा सकती थीं। पर इस रकम को बैंकों को दिया गया तो बैंकों का यह दायित्व बनता है कि वे भी ठोस परिणाम दिखाएं। ठोस परिणाम ये हो सकते हैं कि कुछ ऐसे कारोबारियों को कर्ज दिया जाए, लाभ कमाते हुए, जिनसे वसूली आसान हो, संभव हो। ठोस परिणाम ये हो सकते हैं कि सरकारी बैंक अपनी शाखाओं का, कारोबार का प्रबंधन इस प्रकार से करें कि मुनाफा कमाते हुए ग्राहकों को श्रेष्ठ सेवा देना पाना संभव हो। ठोस परिणाम यह हो सकते हैं कि सरकारी बैंक निजी क्षेत्र के बैंकों का विश्लेषण करें कि सुस्त अर्थव्यवस्था में भी निजी बैंक लगातार अपना कारोबार और मुनाफा कैसे बढ़ा रहे हैं। सिर्फ अतिरिक्त पूंजी से कुछ वक्त के लिए ही सरकारी बैंकों में चमक आ सकती है, पर टिकाऊ चमक के लिए पूंजी के अलावा चुस्त प्रबंध कौशल की दरकार रहेगी।

''बरसन लागी बदरिया'

आप किसी मछली को पकड़ रहे होते हैं तो वह आजाद होने के लिए किस कदर छटपटाती है, किस कदर जोरआजमाइश करती है, कितने-कितने जतन करती है-इसका अंदाजा उन लोगों को शायद ही हो जो खाये- पिये और अघाये हुए लोग हैं। उनके लिए मछली तो मछली। चाहे वह रोहू हो, कतला हो या पद्मा की हिलिस माछ हो। भारतीय संगीत में, खास तौर पर गायन की दुनिया में अगर मछली की उसी बेचैन कशिश और तड़प के दीदार करने हों तो आपको बनारस जाना पड़ेगा। गिरिजा देवी के पास। उस विरासत के पास जो गिरिजा देवी छोड़ गई हैं। गिरिजा देवी के गायन में एक बात खास और बेहद विलक्षण थी। वह यह कि जब वह गातीं तो लगता ही नहीं था कि कोई गा रहा है। उल्टे लगता यह था कि समूची आबोहवा गा रही है। फिजाएं गा रही हैं, पेड़ गा रहे हैं, पत्ते गा रहे हैं और डायस पर बैठे जो संगतकार हैं, वे मौसम की तरफदारी का रियाज कर रहे हैं। ''बरसन लागी बदरिया' जैसी कजरी और ''याद पिया की आये' जैसी ठुमरी को उन्होंने एक अलग ही जुबान दी।

मछली की उसी तड़प वाली जुबान जिसका जिक्र ऊपर किया जा चुका है। ठुमरी को बेगम अख्तर ने भी खूब टूट कर गाया। लेकिन तब भी एक फर्क है, जिसे आप पहली नजर में ही भांप सकते हैं। बेगम को सुनते हुए आपको बार- बार यह लगता है कि आप संतुष्ट हो गए, कि आप नहा उठे, कि आप अघा उठे, कि आप भीग गए लेकिन गिरिजा देवी के साथ ऐसा नहीं है। उन्हें सुनते हुए सुनने की प्यास और आस, दोनों बराबर बची रहती हैं। यही उनकी ताकत है और मौसिकी को यही उनकी सबसे ताकतवर विरासत भी। बनारस के जमींदार परिवार में जन्मी गिरिजा देवी के गायन के इतने रंग, इतने शेड्स हैं कि किसी एक को छांट कर निकाल पाना और यह कह पाना लगभग असंभव है कि यही तो हैं गायिका गिरिजा देवी। ऐसा इसलिए क्योंकि संगीत की मुख्तलिफदुनियावों से उनकी बावस्तगी का दायरा बहुत व्यापक है। उसमें आग भी है, धुआं भी, तड़प भी, तल्खी भी। लेकिन कुछ भी जीवन के पार नहीं है। वह इहलोक की गायिका हैं। जिसके सपनों में चांद को आना ही है, उसे बताना ही है अपना नाम-पता। नई पीढ़ी उस विरासत को सहेजेगी, यह भरोसा रखना ही होगा क्योंकि आप गिरिजा देवी को आसान राहों में भुला नहीं सकते।

सत्संग

शुभ्रता

भगवती गायत्री का वाहन राजहंस माना गया है। यह उस हंसवृत्ति का प्रतीक है जिसके संबंध में शास्त्रकारों की अपनी कल्पना और मान्यता है। जलाशयों के निकट पाए जाने वाले हंस पक्षी उन गुणों से युक्त नहीं पाए जाते, जिन्हें भगवती गायत्री के वाहन राजहंसों से विभूषित माना गया है। नीर-क्षीर का विवेक राजहंसों की विशेषता है। दूध-पानी मिला होने पर वे दूध पीते हैं और पानी को अलग कर देते हैं। यह गुण सामान्य हंसों में नहीं पाया जाता। उन्हें दूध कौन पिलाएगा? वे दूध कहां से पाएंगे? फिर यदि दूध मिल भी जाए, तो उनमें पानी को पृथक करके दूध पीने की विशेषता कहां होती है? इसी प्रकार यह भी कहा जाता है-कै हंसा मोती चुगैं कै लंघन मरि जाएं, अर्थात हंसा या तो मोती चुगेंगे या लंघन-निराहार मर जाएंगे। अर्थात मोती के अतिरिक्त वे और कुछ नहीं खाते। उपलब्ध हंसों पर यह उक्ति लागू नहीं होती। वे कीड़े-मकोड़े खाते हैं। मोती गहरे समुद्रों में पाए जाते हैं। उनकी गहराई तक डूबकी लगाकर जाना और मोती की सीपें तलाश करके उनका पेट चीरकर मोती पाना इन हंसों के लिए संभव नहीं है। राजहंसों का आलंकारिक रूप हंस पक्षियों जैसा चित्रित किया तो गया है, पर वस्तुत: वे शुभ्रता, पवित्रता, विवेकशीलता एवं शालीनता के प्रतीक हैं। ये विशेषताएं जिन व्यक्तियों में हों, उन्हें हंसा कहा गया है। हंस गुणों का वर्णन कितने ही ग्रंथों में कितने ही प्रकार से किया गया है। वह वर्णन हंस पक्षियों पर लागू नहीं होता, वरन शालीनतायुक्त श्रेष्ठ व्यक्तियों पर ही घटित होता है। एक वर्णन में राजहंस के बारे में कहा गया है-जल अथवा काला जल उनके शुभ्र कलेवर को प्रभावित नहीं कर सकता। किसी भी भली-बुरी परिस्थिति में रहकर श्रेष्ठ व्यक्ति अपनी मौलिक शालीनता को अक्षुण्ण बनाए रहते हैं। प्रतिपादन के पीछे आलंकारिक तय है। राजहंस तव सैव शुभ्रता चीयते न च न चापचीयते।। हे राजहंस! गंगा का जल त है और यमुना का काजल जैसा काला है। तुम दोनों में से किसी में भी स्नान करो, तुम्हारा अपना शुभ्र वर्ण हलका होने की जगह अधिक निखर उठता है। सुख-सुविधाओं के साधन एक से एक बढ़कर जहां-तहां पाए जा सकते हैं, राजहंस प्रवृत्ति के व्यक्ति अपने लिए श्रेष्ठतम कर्त्तव्यपालन का स्थान ही चुनते हैं।

''उसका वन बेल्ट वन रोड'

हाल के महीनों में होक्काइदो द्वीप पर मिसाइलों का दागा जाना। दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता और कुछ द्वीपों को लेकर जापान से उसका टकराव और ''उसका वन बेल्ट वन रोड' सीधा संदेश दे रहा है कि चीन अब जापान के उस सिद्धांत को अपना चुका है, जिसे जापान ने दूसरे विश्व युद्ध से पहले प्रतिपादित किया था। ऐसे में आबे के लिए यह जरूरी होगा कि वे जापान के संविधान में कुछ बदलाव करें। वैसे आबे पहले से ही ''पोस्ट-वार पेसिफिस्ट संविधान' में संशोधन करने की मंशा रखते हैं। ध्यान रहे कि शिंजो आबे मंत्रिमंडल ने 2014 में संविधान में युद्ध विरोधी, शांतिप्रिय प्रावधान की नये सिरे से व्याख्या की थी। आबे संवैधानिक शांतिवाद की छह दशक पुरानी सीमा को दृढ़तापूर्वक लांघने को आतुर हैं,

सतीश पेडणोकर

शिंजोआबे ने जापानी संसद (डायट) के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के लिए हुए 48वें आम चुनाव में भारी बहुत प्राप्त कर यह दिखा दिया है कि जापान की जनता उनके नेतृत्व में स्वयं को आगे बढ़ने के साथ-साथ सुरक्षित होते देखना चाहती है। शिंजो आबे द्वारा देश को दिए गए इस वचन कि वे उत्तर कोरिया के खिलाफ सख्त काउंटर मेजर्स अपनाएंगे के बदले देश की जनता ने उन्हें दो-तिहाई बहुमत देकर सत्ता सौंपी है। ऐसे में कई प्रश्न हैं, जो कम-से-कम एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आगे की राह स्पष्ट करने में सहायक हो सकते हैं। पहला प्रश्न यह है कि क्या शिंजो आबे अब जापान के चरित्र को बदलने की कोशिश करेंगे? अर्थात क्या वे जापान को एक आर्थिक ताकत से एक सैनिक ताकत में परिवर्तित करने में सफल हो पाएंगे? क्या वे एक शांतिप्रिय देश से जापान को पुन: सैन्यवाद की ओर ले जाने की कोशिश करेंगे? क्या वे भारत के साथ कोई सैनिक गठबंधन बनाने की कोशिश करेंगे? दरअसल जापान के सामने जो चुनौतियां हैं सुरक्षा, आर्थिक एवं जानसांख्यिकी से जुड़ी चुनौतियां ज्यादा महत्त्वपूर्ण हैं। इस समय चीन और उत्तर कोरिया जापान के समक्ष लगातार चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। प्योंगयांग की तरफ से जो भी चुनौतियां पैदा की जाती हैं उन्हें चीन का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से बीजिंग का समर्थन हासिल होता है। ऐसी स्थिति में जापान के लिए जरूरी है कि वह चीनी ताकत को काउंटर करने का उपाय करे लेकिन शिंजो आबे ने प्योंगयांग के खिलाफ सख्त काउंटर मेजर्स की बात कही है।

इसका कारण है प्योंगयांग की तरफ से हाल के महीनों में होक्काइदो द्वीप पर मिसाइलों का दागा जाना। दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता और कुछ द्वीपों को लेकर जापान से उसका टकराव और ''उसका वन बेल्ट वन रोड' सीधा संदेश दे रहा है कि चीन अब जापान के उस सिद्धांत को अपना चुका है, जिसे जापान ने दूसरे विश्व युद्ध से पहले प्रतिपादित किया था। ऐसे में आबे के लिए यह जरूरी होगा कि वे जापान के संविधान में कुछ बदलाव करें। वैसे आबे पहले से ही ''पोस्ट-वार पेसिफिस्ट संविधान' में संशोधन करने की मंशा रखते हैं। ध्यान रहे कि शिंजो आबे मंत्रिमंडल ने 2014 में संविधान में युद्ध विरोधी, शांतिप्रिय प्रावधान की नये सिरे से व्याख्या की थी। आबे संवैधानिक शांतिवाद की छह दशक पुरानी सीमा को दृढ़तापूर्वक लांघने को आतुर हैं, इसलिए उन्होंने लगातार जापान का रक्षा बजट बढ़ाया है। ध्यान रहे कि जापान ने 1947 में अमेरिका के दबाव में शांति संबंधी कानून बनाया था। इस संविधान के अनुच्छेद 9 में युद्ध के पूर्णतया त्याग का प्रावधान है। लेकिन अब जिस तरह से चीन जापान को एक स्खलित राष्ट्र की संज्ञा देकर मजाक उड़ाता है उससे स्पष्ट है कि चीन से मुकाबला करने के लिए जापान अमेरिकी छतरी से बाहर बाहर अपनी स्वयं की सैन्य छतरी तैयार करनी होगी। जापान एशिया की एक प्रभावाली अर्थव्यवस्था है और अभी नॉमिनल जीडीपी पर वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, इसलिए जापान में आने वाले भावी बदलावों का असर दुनिया पर गहरा पड़ेगा। लेकिन इस समय जापान बूढ़ा हो रहा है इसलिए उसका घटता हुआ वर्कफोर्स और गिरती हुई विकास दर उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस दिशा में ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप ट्रेड एग्रीमेंट उसके लिए काफी मददगार साबित हो सकता था लेकिन अब अमेरिका इससे पीछे हट रहा है। एक महत्तवपूर्ण बात यह है कि अभी तक ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि उसकी पैसिफिक नीति क्या होगी? क्या ट्रंप स्ट्रैटेजिक ट्राइंगल को और मजबूत करने का उचित प्रयास करेंगे जिसमें भारत, जापान एवं अमेरिका शामिल हैं? यद्यपि उत्तर कोरिया को लेकर ट्रंप आक्रामक दिख रहे हैं लेकिन उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, शायद यही वजह है कि जापान अब रक्षा के मामलों में आत्मनिर्भर होना चाहता है। वैसे इस दिशा में भारत जापान का अहम साझेदार हो सकता है लेकिन भारत के सामने भी अहम सवाल होगा कि वह चीन को किस नजरिए से देखे? चीन का कहना है कि भारत-जापान विकास में साझेदार बनें, सैन्य गठबंधन के नहीं। दरअसल, चीन न केवल जापान के साथ भारतीय संबंधों को बल्कि पूर्वी एशिया के देशों के साथ भारत के कूटनीतिक प्रयासों को इसी चश्मे से देखता है। इसलिए भारत ऐसे प्रयासों में पीछे भले न हटे लेकिन बहुत से संकोचों एवं हिचकिचाहटों के साथ ही आगे बढ़ पाता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या भारत जापान की नई सरकार के साथ ट्रांस-पैसिफिक से लेकर हिन्द महासागर तक एक रणनीतिक साझेदारी का निर्माण कर

एक रक्षात्मक दीवार निर्मित करने में सफल हो पाएगा ताकि चीनी गतिविधियों को हिन्द महासागर में रोका जा सके। ऐसा भी संभव हो सकता है कि भारत जापान के साथ नई रक्षा-विदेश एवं अर्थनीति (टू प्लस टू के साथ-साथ री-प्लस-री) पर काम करे क्योंकि चीन को काउंटर करने के लिए इन तीनों मोर्चो पर एक साथ काम करना जरूरी होगा। हालांकि जापान ने भारत के साथ 2 प्लस 2 समझौता किया है जो रक्षा एवं कूटनीति से जुड़ा बेहद अहम समझौता है। भारत इसका फायदा चीनी ताकत को काउंटर करने के लिए कर सकता है। लेकिन चीन की इस तरह का आक्रामकता एवं नियंतण्र ताकत बनने की महत्त्वाकांक्षा उसकी आर्थिक ताकत से उद्भूत है। इसलिए यह आवश्यक होगा कि चीन आर्थिक ताकत ताकत को कमजोर किया जाए। फ्लिहाल देखना यह है कि आबे जापान को उसी रूप में पेश करेंगे जिस रूप में शी जिनपिंग ने पिछले सप्ताह ग्रेट हाल ऑफ पीपुल्स में चीन को पेश किया और इस एरा को ''चाइनीज एरा' का नाम दिया। यदि ऐसा हुआ तो प्रशांत महासागर की रणनीति में बहुत से नये आयाम जुड़ जाएंगे। इसमें सबसे अहम पक्ष होगा टकराव एवं हथियारों के प्रतिस्पर्धा की, जो न ही हिन्द महासागर के लिए हितकर होगा और न प्रशांत महासागर के। हां भारत इसका फ ायदा उठा सकता है लेकिन उसे ड्रम पीटने की बजाय वास्तविक प्रगति के लिए प्रयास करना होगा।

चलते चलते

नोटबंदी

पेट खाली है, पर सब्र का प्याला छलक-छलक जा रहा है। कोई भात-भात करते मर रहा है, तो किसी के बारे में कहा जा रहा है कि उससे भूख बर्दाश्त नहीं हुई और मर गया। विकास कहीं खो गया है और भूखमरी लौट आई है। अकाल की कोई घोषणा नहीं है। फिर भी भूख है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं अर्थव्यवस्था एकदम पटरी पर है, पर फिर भी भूख है।

शायर ने कहा है कि भूख है तो सब्र कर। पर सब्र हो ही नहीं रहा है। पेट खाली है, पर सब्र का प्याला छलक-छलक जा रहा है। कोई भात-भात करते मर रहा है, तो किसी के बारे में कहा जा रहा है कि उससे भूख बर्दाश्त नहीं हुई और मर गया। विकास कहीं खो गया है और भूखमरी लौट आई है। अकाल की कोई घोषणा नहीं है। फिर भी भूख है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं अर्थव्यवस्था एकदम पटरी पर है, पर फिर भी भूख है। नोटबंदी से तो बेरोजगार बढ़ी बताते हैं, जो लोग मजदूरी करने शहर गए थे, वो वापस आए हैं, क्योंकि वहां भी काम नहीं है, कहीं यह भूख भी तो उनके साथ-साथ वहीं से नहीं आई है? जीएसटी से तो व्यापारी परेशान है, फिर यह भूख कहां से आ गई है? बोले-देश में बुलेट ट्रेन आ रही है, इंतजार तो उसका था, फिर यह भूख क्यों आ गई? अयोध्या में श्रीराम की, सरदार सरोवर पर सरदार पटेल की, मुंबई में शिवाजी महाराज की दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमाएं लग रही हैं, फिर यह भूख कहां से आ गई? प्रधानमंत्री तो बड़ा ही सोचते हैं, फिर यह छोटी सी भूख कहां से चली आई? झारखंड की जो बच्ची भात-भात करते मर गई, उसके परिवार को महीनों से राशन नहीं मिल रहा था, क्योंकि उसका राशनकार्ड आधार से लिंक नहीं था। उसी झारखंड में जो व्यक्ति भूख के चलते मर गया, वह बरसों से राशनकार्ड बनवाने के लिए भाग-दौड़कर रहा था। झारखंड में अकूत कोयला है, कोयला नहीं है, अपार दौलत है, इसलिए कोयले की दलाली है, इस दलाली में पता नहीं हाथ भी कितनों के काले हुए हैं। पर झारखंड में सिर्फ कोयला ही नहीं है, प्रकृति ने और भी न जाने कितना खजाना वहां दबा रखा है फिर भी वहां भूख है। सरकार के बड़े-बड़े विज्ञापन हैं, बड़ी-बड़ी परियोजनाएं हैं, फिर भी वहां भूख है। सरकार विकास करने के लिए आती है। भूख मिटाने नहीं आती। भूख का तो नाम भी न लो। भात-भात करके मरनेवाली बच्ची ने अपने गांव को बदनाम किया है। इसलिए गांववालों ने अब उसकी मां को घर से भी निकाल दिया है। न गांव की, न राज्य और न ही देश की किसी की भी बदनामी नहीं चाहिए। जो गांव को बदनाम करेगा, उसे गांव से निकाल दिया जाएगा और जो देश को बदनाम करेगा, उसे देश से निकाल दिया जाएगा।

मुद्दा

''ठुमरी महोत्सव'

हिन्दुस्तानी संगीत में पूरब गायन शैली की बनारस गायकी अनूठी और सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका विदूषी गिरिजा देवी का निधन भारती संगीत जगत की अपूरणीय क्षति है, जिसे चिरकाल तक महसूस किया जाता रहेगा। बीते दिन सुबह कोलकाता में हृदयगति रुक जाने से उनकी मृत्यु हो गई। वे 89 वर्ष की थीं। तकरीबन 70 साल तक संगीत की महफिलों और सार्वजनिक मंचों पर अपनी खनकती और सुरीली आवाज की रंग भरती हुई पूरी तरह से छाई रही गिरजा देवी का सबसे बड़ा योगदान ठुमरी गायन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता प्रदान करना। सदियों तक संगती के क्षेत्र में रस में घुली उनकी ठुमरी रसिकों को भाव विभोर करती रही इस गायन में बनारस की रसूलन बाई, बडी मोतीबाई, सिद्धेश्वरी देवी, पं. माधव प्रसाद मिश्र जैसे दिग्गज गायक-गायिकाओं में अपने अंदाज में ठुमरी को संवारा और सजाकर पेश करने में इस शैली को समृद्ध किया पर इन हस्तियों के विदा होने के बाद ठुमरी गायकी हाशिए पर आ गई और लुप्त होने के कगार पर पहुंचने लगी। ऐसे समय में विदूषी गिरिजा देवी ने न सिर्फ ठुमरी को उभारा बल्कि अपने कंठ स्वरों में जो रंग भाव पैदा किया, उससे ठुमरी शोहरत की बुलंदी पर पहुंच गई। और गिरजा देवी ठुमरी की पर्याय बन गई। ठुमरी के प्रति आम लोगों में जागृति और अलख जगाने में उनका एक उल्लेखनीय योगदान है। उन्हीं के प्रयास से देश में ''ठुमरी महोत्सव' की शुरुआत हुई। इस वयोवृद्ध उम्र में गाने में अपना जादुई रंग बिखेरती रही गिरिजा देवी में श्रोताओं को अपनी बातचीत और भाव से रिझाने का भी बड़ा हुनर था। शायद यही कारण है कि उनको चाहने वाले रसिक इस उम्र में भी बार-बार सुनने को बेचैन रहते थे। जीवन की आखिर सांस तक वो ठुमरी, कजरी, चैती, झूला, होली आदि को सच्चे स्वरों में साध कर गाती रहीं। उनके गायन में आनंद की अनुभूति को रूपाकार प्रदान करने की उमंग झलकती थी। एक शिखर गायिका के साथ गिरिजा देवी एक महान व प्रतिष्ठित गुरु भी थीं। वे शायद इस गायन के क्षेत्र में एक मात्र गुरु थीं, जिन्होंने बड़ी तादाद में सुयोग्य शिष्य तैयार किए। उनकी शिष्या स्नेहलता मिश्रा भावुक होकर कहती हैं ठुमरी में मेरा जैसे गुरु कोई दूसरा नहीं हुआ। मैंने गुरु को नहीं अपनी मां को खो दिया। ठुमरी में कैसे भाव और बोल-बनाव होता है ये बताने वाला कोई नहीं है। सबसे बड़ी बात थी मेरे गुरु से जो सीखने आया वह उनका ही हो गया। पिछले सात दशकों से अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से लगातार वे संगीत रसिकों की सराहना अर्जित करती रही हैं। गिरजा देवी को प्राप्त हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की एक लंबी सूची है, उनमें सबसे ज्यादा प्रतिष्ठित है भारत सरकार के द्वारा प्रदान किया हुआ पदम विभूषण अवार्ड। रस कलश को भरने वाली गिरिजा की देवी के स्थान की भरपाई करने वाला फिलहाल कोई दूसरा कलाकार नहीं दिखता है। यह सचमुच विडम्बना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस गायन शैली में जो उन्होंने एक नया दरवाजा खोला और राह दिखाई वह अपने में एक बहुत बड़ा आयाम है। गिरिजा देवी की गायन की जो खास बात थी और जिस पर वह ज्यादा ध्यान देतीं थीं वो थी; शब्दों की स्पष्टता। उनका मानना था कि साहित्य की जो रचना गायन में पेश होती है उसका एक-एक शब्द बहुत स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने बनारस की जो पारंपरिक गायकी थी उसको नया रंग और विस्तार देने में एक अलग भरा-पूरा अंदाज दिया। और साबित किया कि ठुमरी भी ख्याल गायकी की तरह पूरी तरह से शास्त्रीय और पूर्ण है। उससे यह भ्रम टूटा कि ठुमरी उप शास्त्रीय नहीं है। आज हमारे बीच में जितने भी लोग ठुमरी गा रहे हैं उनमें से अधिकांश गिरिजा देवी की शैली का अनुसरण कर रहे हैं। बनारस के उस्ताद बिसमिल्लाह खान, पंडित किशन महाराज से लेकर देश भर के तमाम कलाकारों ने गिरिजा देवी के गायन की बहुत सराहना की है और कहा है कि ठुमरी में गिरिजा देवी जैसी विलक्षण और अनोखी गायिका कोई दूसरी नहीं है।

जापान का जनादेश

आभा स्वामी

जापान के मतदाताओं पर प्रधानमंत्री शिंजो आबे का करिश्मा अटूट बना रहा। वे तमाम अनुमान सिरे से गलत साबित हुए, जिनमें कहा गया था कि मध्यावधि चुनाव में आबे को लेने को देने पड़ सकते हैं। बीते 25 सितंबर को आबे ने अचानक डाइट (जापानी संसद) को भंग कर समय-पूर्व चुनाव कराने का एलान किया था। इससे विपक्षी दल हैरान रह गए। मगर टोक्यो की लोकप्रिय गवर्नर यूरिको कोइको ने अपनी नवगठित पार्टी को मैदान में उतारकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया। उनके नेतृत्व में कई पार्टियां एकजुट हुईं। इससे अंदाजा लगाया जाने लगा कि आबे का दांव गलत पड़ सकता है। लेकिन अंतत: जापानी मतदाताओं ने आबे के नेतृत्व में पूरा भरोसा जताया। उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 465 सदस्यीय सदन में दो तिहाई से ज्यादा (313) सीटें मिलीं। भारत के लिए यह अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आबे से मित्रता जगजाहिर है। दोनों नेताओं के मधुर निजी संबंधों का लाभ विभिन्न् क्षेत्रों में दोनों देशों को मिला है।

इन संबंधों के गहराने का सिलसिला जारी रहेगा, यह यकीन ताजा चुनाव नतीजों से और मजबूत हुआ है। दरअसल, शिंजो आबे के अधिक शक्तिशाली होकर उभरने का पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के सुरक्षा परिदृश्य पर भी दूरगामी असर होगा। इससे चीन की चिंताएं बढ़ेंगी और आशा की जानी चाहिए कि उत्तर कोरिया के उच्छृंखल व्यवहार पर भी एक हद तक रोक लगेगी। चुनाव नतीजा आते ही आबे ने जिस तरह उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रभावी जवाबी कदम उठाने का इरादा जताया, उससे इस उम्मीद को बल मिलता है। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वो क्या कदम उठाएंगे। जापान के उत्तर कोरिया से राजनयिक या आर्थिक संबंध नहीं हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई ही अकेला प्रभावी कदम है, जो जापान उसके खिलाफ उठा सकता है। लेकिन फिलहाल जापान के लिए यह संभव नहीं है। दूसरे विश्व युद्ध में पराजय के बाद विजेता शक्तियों ने जापान को 'शांतिवादी संविधान अपनाने के लिए मजबूर किया था।

इस संविधान के अनुच्छेद 9 के तहत जापान की सेना को 'आत्मरक्षा बल कहा गया। यानी ये सेना किसी दूसरे देश पर आक्रामक कार्रवाई नहीं कर सकती। इसके बावजूद उत्तर कोरिया व चीन में चिंताएं बढ़ेंगी, तो इसलिए कि आबे ने उपरोक्त संविधान को ही बदलने का इरादा जताया है। अब उन्हें इसके लिए भरपूर जनादेश मिला है। अब देखने की बात होगी कि आबे अगर सचमुच शांतिवादी संविधान को बदलने की पहल करते हैं, तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होती है। फिलहाल जापान की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका पर है। मगर वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसी वैदेशिक भूमिकाएं निभाने के प्रति अनिच्छा खुलेआम जताते रहे हैं। ऐसे में मुमकिन है कि शिंजो आबे के संविधान बदलने के प्रयासों का अमेरिका विरोध ना करे। अत: संविधान बदलने में आबे सफल हुए, तो फिर पूर्वी एशिया में नई सामरिक स्थितियां पैदा होंगी। इससे उस इलाके में चीन की मनमानी पर रोक लगेगी। इस नजरिए से भी शिंजो आबे की बड़ी जीत भारत के लिए एक अच्छी खबर है।

हृदयविदारक: झांसी में रेप पीड़िता ने तीन मासूमों संग किया आत्मदाह

झांसी। मोठ थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार दोपहर बाद रेप से क्षुब्ध महिला ने तीन बच्चों के साथ आत्मदाह कर लिया। एक दिन पहले उसने ननद को फोन पर बताया था कि उसके साथ पड़ोस के ही दो दबंग युवकों ने दुष्कर्म किया है, साथ में यह भी कहा था अब उसका जीना बेकार है। महिला का पति उरई में पल्लेदारी का काम करता है।

उक्त निवासी महिला अपने तीन मासूम बच्चों के साथ गांव में ही रहती थी। बुधवार दोपहर बाद महिला ने तीनों बच्चों को अपने साथ कमरे में बंद कर लिया और मिट्टी का तेल डाल कर आग लगा ली। घर से आग की लपटें उठने पर आसपास के लोगों का ध्यान उधर गया, लोग पास गये तो बच्चों की चीखें सुनाई पड़ीं। ग्रामीणों ने दरवाजा खोलना चाहा लेकिन अंदर से कुंडी बंद थी, इस पर उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर एसडीएम सुरेन्द्र कुमार, सीओ आशापाल और थाने की पुलिस व दमकल वाहन पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने आग बुझाई जिसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। पुलिस के अंदर दाखिल होने से पहले महिला और तीनों बच्चे दम तोड़ चुके थे। पुलिस ने चारों शवों को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ननद ने बताया, दी थी रेप की जानकारी

ननद ने बताया कि भाभी ने एक दिन पहले ही बताया था कि मोहल्ले के दो दबंग युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। भाभी ने यह भी कहा था कि वह किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं बची इसलिए मर जाएगी। उसने यहां तक कहा था कि बच्चों को अपने साथ ले जाएंगी क्योंकि उसके बाद उनको कौन पालेगा। हालांकि उसने ऐसा करने से मना किया था और जल्दी गांव आने को कहा था।

पुलिस से लगाई पति की रक्षा की गुहार

घटना की सच्चाई बताने वाली वाली ननद आरोपियों से खौफ में है। उसने मौके पर मौजूद सीओ और एसडीएम से कहा कि सही घटना बताने पर उसके पति और भाई की हत्या हो सकती है। उसने दोनों की रक्षा की गुहार लगाई।

सीओ व एसडीएम ने कहा, पति बताएगा सच्चाई

सीओ का कहना है कि पति के आने पर ही आत्महत्या का कारण स्पष्ट हो सकेगा। उन्होंने कहा कि रेप की कोई जानकारी उनको नहीं दी गई है। वहीं एसडीएम ने कहा कि आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या की आशंका है, वैसे कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। घटना की जांच की जा रही है।

सीएम आवास योजना में फ्लैट बनाने वाले बिल्डरों को भारी छूट

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों को दो लाख रुपये में दो कमरे का फ्लैट उपलब्ध कराने के लिए बिल्डरों को भारी छूट मिलेगी। प्रमुख सचिव आवास मुकुल सिंघल ने बुधवार को शासनादेश जारी कर दिया।

शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना में अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप पर फ्लैट बनाकर गरीब पात्रों को आवंटित किए जाएंगे। इस योजना में मकान बनाने के लिए बिल्डरों को रियल स्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) में पंजीकरण कराना जरूरी होगा। इस योजना में न्यूनतम कारपेट एरिया 22.77 वर्ग मीटर व अधिकतम 30 वर्ग मीटर क्षेत्र में फ्लैट बनाए जाएंगे। फ्लैट बनाने वाले बिल्डरों को अधिक ऊंचाई तक अपार्टमेंट बनाने की अनुमति दी जाएगी।

योजना के लिए फ्लोर एरिया रेशियो 2.5 व अधिकतम 600 आवासीय इकाइयां प्रति हेक्टेयर की अनुमति दी जाएगी। कुल क्षेत्रफल के 10 फीसदी क्षेत्र पर व्यावसायिक इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी। बिल्डर को इंसेंटिव के रूप में जमीन का भू-उपयोग बदलवाने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। आवेदन करने के बाद संबंधित जमीन का भू-उपयोग बदल दिया जाएगा। इसके साथ वाह्य विकास शुल्क में 50 फीसदी छूट दी जाएगी। प्रमुख सचिव आवास ने प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाने के लिए आवेदन करने वाले बिल्डरों को प्राथमिकता के आधार पर लाइसेंस दिया जाएगा, जिससे वो मकान बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सके।

एनएचआरसी की ओर से जो जानकारी भेजी गई, वो चौंकाने वाली है। पूरे देश में पिछले 12 साल में कुल मिलाकर 1241 फर्जी एनकाउंटर की शिकायतें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग पहुंचीं। इनमें से अकेले 455 मामले यूपी पुलिस के खिलाफ थे। फर्जी एनकाउंटर की शिकायतों में यूपी पुलिस, दिल्ली और बिहार से कहीं आगे है।

बीवी-बच्चों के साथ मिल मां का किया मर्डर, बेटा बोला- पैसे नहीं दे रही थी वो

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर में एक बेटे ने एक लाख रुपए और जमीन-जायदाद की लालच में मां की हत्या कर दी। घटना शनिवार की रात अंजाम दी गई थी। बेटे ने शव को जंगल में बोरे में बांधकर ठिकाने लगा दिया था। बुधवार को पुलिस ने बेटे को अरेस्ट कर उसकी निशानदेही पर शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। बेटे ने बताया- मां, पैसे नहीं दे रही थी। अशरफपुर थाना क्षेत्र के रहने वाली मेवाती निषाद की दो बेटियां मालती-हेवंती और एक बेटा राम जी निषाद है। पति की मौत हो चुकी है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है और वे अपनी-अपनी ससुराल में रहती हैं।

- बेटे राम जी की अपनी मां से नहीं पटती। वो अपने बीवी-बच्चों के साथ एक ही मकान में अलग रहता है। मकान के दूसरे पार्ट में उसकी मां मेवाती रहती है।

बेटी से हुई थी महिला की मोबाइल पर आखिरी बात

- मेवाती के पास उसकी दोनों बेटियां अक्सर हाल-चाल लेने के लिए आती रहती थीं या फिर उससे फोन रोज शाम को बात कर लेती थीं।
- शनिवार की शाम को हेवंती की बात उससे हुई। दूसरे दिन रविवार की सुबह हेवंती ने फिर से मां से फोन पर बात करना चाहा तो उसका मोबाइल बंद मिला।
- इसकी जानकारी उसने बड़ी बहन मालती को दी। दोनों बहनें अशरफपुर गांव पहुंचीं। भाई रामजी से मां के बारे में पूछा, लेकिन उसने कहा कि कहीं चली गई होगी।
- तलाश करने के बाद दोनों बहनें गुलरिहा थाने पहुंचीं और पुलिस को सूचना दी।

सर्विलांस से मिले इनपुट के आधार पर की गई पूछताछ में टूटा बेटा

पुलिस ने शक के आधार पर मंगलवार की रात राम जी को अरेस्ट किया। पहले तो वो झूठ बोलता रहा। इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने रामजी पर जब शिकंजा कसा तो वो टूट गया।

- बुधवार को उसने बताया कि उसने अपने बीवी-बच्चों के साथ मिलकर मां की हत्या कर दी है और शव को वनगाईं जंगल में बोरे में भरकर फेंक दिया है।

पुलिस ने बेटे की निशानदेही पर उसकी मां का शव जंगल से बरामद कर लिया। पुलिस ने रामजी के अलावा उसकी पत्नी संवारी देवी, पोता सचिन और पोती रीमा को अरेस्ट किया है। एक अन्य पोती रवीना जो भी हत्या में शामिल थी, अभी फरार है।

- बेटे के मुताबिक, वो मां के शव को अपने साले रामचंदर की एक्टिवा पर लाद कर ठिकाने लगाने ले गया था। पुलिस रामचंदर की भी तलाश कर रही है।

एक लाख और जमीन-जायदाद मांग रहा था बेटा

- पुलिस के मुताबिक, राम जी ने बताया कि मां के खाते में एक लाख रुपए जमा थे, वह उसे बेटियों को दे रही थी।

राज्यरानी एक्सप्रेस टैंकर से टकराई,1 की मौत, 50 घायल

बरेली। फरीदपुर की गौसगंज क्रॉसिंग पर राज्यरानी एक्सप्रेस डीजल व पेट्रोल से भरे टैंकर से टकरा गई। भीषण टक्कर से टैंकर हाइवे पर पलट गया और चालक की मौत हो गई। घटना में ट्रेन के 50 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बरेली-लखनऊ हाइवे बंद हो गया। तीन घंटे तक कई ट्रेनों प्रभावित रहीं। वहीं, डीआरएम ने गेटमैन और पीतांबरपुर के स्टेशन अधीक्षक को किया निलंबित कर उच्चस्तरीय जांच कमेटी गठित कर दी है।

बुधवार की शाम करीब 6:40 बजे राज्यरानी एक्सप्रेस पीतांबरपुर की गौसगंज रेलवे क्रॉसिंग पर बरखेड़ा की ओर से आ रहे टैंकर से टकरा गई। भीषण टक्कर से पेट्रोल से भरा टैंकर हाइवे पर पलट गया। टैंकर के चालक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर के बाद ट्रेन के ड्राइवर को इमरजेंसी ब्रेक लेने पड़े। ऐसे में अचानक ब्रेक लगने से 50 से अधिक यात्री चोटिल हो गए। मामला कंट्रोल तक पहुंचते ही रेल अफसर, पुलिस, फायर बिग्रेड मौके पर दौड़ी। पुलिस ने घायलों को शहर के अस्पतालों में भेजा। हाइवे पर तेल फैलने के बाद पुलिस ने वाहनों का संचालन रोक दिया, जिससे हाइवे जाम हो गया। रात आठ बजे के बाद रूट डायवर्ट करके वाहनों को दूसरे रास्ते से गुजारा गया।

हादसे की जांच के लिए एडीआरएम संजीव मिश्रा, सीनियर डीसीएम विवेक शर्मा अफसरों के साथ मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही डीएम और एसएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे। एडीआरएम ने बताया कि मामले की जांच शुरू

औद्योगिक संस्थानों में रोजगारपरक व्यवसायों की व्यवस्था की : चेतन चौहान

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री चेतन चौहान ने कहा है कि प्रदेश में 26 नये राजकीय औद्योगिक संस्थान बनाये हैं। जिसमें से 15 अल्पसंख्यक इलाकों में हैं। इनमें कुल 14,000 सीटों को बढ़ाया गया और स्थानीय मांग के अनुरूप नये 3000 रोजगारपरक व्यवसायों की सीट की व्यवस्था की गई है। श्री चौहान गुरुवार को शास्त्री भवन स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मिहींपुरवा के भगहर नाले में पहुंचे तीन मगरमच्छ, एक को पकड़ा

बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग से सटे मिहींपुरवा कस्बे के भगहर नाले में तीन मगरमच्छ पहुंच गए हैं। इसकी भनक लगते ही लोगों में दहशत फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि बाढ़ के दौरान बह कर आए मगरमच्छ ने भगहर नाले (बूढ़ी नदी) को अपना बसेरा बना लिया था। सूचना पाकर पहुंची वन महकमे की टीम ने एक मादा मगरमच्छ को ग्रामीणों की मदद से पकड़ा और कतर्नियाघाट में बहने वाली गेरुआ नदी में छोड़ दिया। डीएफओ ने अन्य मगरमच्छों को पकड़ने का भरोसा दिलाया है।

मोतीपुर थाना क्षेत्र में मिहींपुरवा कस्बे के पास भगहर नाला है, जो कभी बूढ़ी नदी हुआ करती थी। लेकिन समय के साथ नदी विलुप्त हो गयी। यह नाला मिहींपुरवा, परवानी गौढ़ी व कुड़वा ग्राम पंचायतों की सीमा से लगा हुआ है। वर्तमान में तहसील प्रशासन की ओर से इस नाले में ग्रामीणों को मत्स्य पालन के लिए पट्टा आवंटित कर किया गया है। गुरुवार की सुबह ग्रामीण नाले की ओर गए थे। तभी उन्हें बीजेपी नेता योगेश प्रताप सिंह के घर के पास बंधे पर विशालकाय मगरमच्छ दिखाई पड़ा। उसे देखते ही वहां भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने गोताखोरों को बुलाया और कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज कार्यालय को सूचना दी। वन कर्मियों की टीम ने ग्रामीणों की मदद से लाठी-डंडों और रस्सी के फंदे के सहारे मगरमच्छ को काबू में कर लिया। टीम ने मगरमगच्छ को कब्जे में लिया और उसे कतर्नियाघाट लाकर गेरुआ नदी में छोड़ दिया।

योगेश प्रताप सिंह का कहना है कि उनके घर के समीप तीन मगरमच्छ कई दिनों से डेरा जमाए हुए थे। ग्रामीणों की मदद से एक मगरमच्छ पकड़ा जा सका है, लेकिन अभी भी दो बड़े मगरमच्छ इसी नाले में मौजूद हैं। यदि वन विभाग ने इसे गंभीरता से नहीं लिया तो मगरमच्छ ग्रामीणों, मत्स्य पालन और सिंघाड़ा की खेती करने वाले किसानों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नाले में मछली पालन करने वाले किसान मिहींपुरवा निवासी जगदीश प्रसाद का कहना है मगरमच्छ की मौजूदगी के कारण कोई भी ग्रामीण तालाब में आखेट करने नहीं उतर रहा। व्यवसाय चौपट हो रहा है। अभी दो और मगरमच्छ नाले में बसेरा बनाये हुए हैं।

दो ग्रामीणों को कर चुका है घायल कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी जीपी सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से मादा वयस्क मगरमच्छ को पकड़ कर कतर्नियाघाट लाया गया है। इसकी उम्र करीब आठ वर्ष की है।

बिहार

नीतीश कुमार-लालू यादव ने महापर्व छठ की दी बधाई

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ से ज्यादा जीवंत और प्रकति के प्रति विश्वास का कोई दूसरा पर्व नहीं हो सकता। छठ पर्व के दूसरे दिन व्रतधारियों के खरना के तहत दिन भर उपवास रखने के बाद आज देर शाम श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण के लिए मुख्यमंत्री आवास पर समारोह का आयोजन हुआ। इसमें राज्यपाल सत्यपाल मलिक, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह और अपने मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों सहित अन्य गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं का नीतीश ने स्वागत किया और प्रसाद के रूप में खीर और रोटी का वितरण किया। उन्होंने कहा, जिस तरह का आत्मानुशासन छठ पर्व के अवसर पर देखने को मिलता है और जितनी आस्था होती है, अगर छठ पर्व के बाद भी यह आत्मानुशासन समाज आए तो मैं समझता हूं कि बहुत बडा परिवर्तन आएगा।

दिल से मांगी गई कामनाएं पूरी होती हैं - लालू

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा कि छठ पर्व में सूर्य भगवान की पूजा होती है और इसमें दिल से मांगी गयी सभी कामनाएं पूरी होती है । श्रीमती कांति सिंह, संजीव कुमार टोनी, अब्दुल बारी सिद्दीकी समेत कई विधायक, पाटीर के पदाधिकारी और कार्यकतारओं के अलावा सैकड़ों लोगों को खरना का प्रसाद वितरण किया ।

इसमें राज्यपाल सत्यपाल मलिक, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह और अपने मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों सहित अन्य गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं का नीतीश ने स्वागत किया और प्रसाद के रूप में खीर और रोटी का वितरण किया।इस मौके पर श्री यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव ने भी अपने हाथों से लोगों को प्रसाद दिया।

छठ घाट बना रहे 14 साल के बालक की मौत

सुपौल। बिहार के सुपौल जिले के निर्मली में कोसी नदी में घाट बनाने गए यशोधर कुमार (14) की मौत डूबने से हो गई। घटना गुरुवार दोपहर की है। निर्मली थाना क्षेत्र के दिघिया पंचायत के मोरा गांव निवासी ब्रह्मदेव विश्वास का पुत्र यशोधर अपने चार साथियों के साथ दिघिया चौक से दक्षणि गाईड बांध के बगल में छठ घाट बनाने कोसी नदी गया था। घाट बनाकर नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया। स्थानीय गोताखोर लाल बहादुर मुखिया, महादेव मुखिया और हरिओम मुखिया ने उसे बाहर निकाला। लोगों ने आनन-फानन पीएससी में पहुंचाया जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राम प्रसाद मेहता यशोधर को मृत घोषित कर दिया। उधर मृतक के परिजन के बयान पर थाना में यूडी केस दर्ज करने के बाद थानाध्यक्ष दीनानाथ मंडल ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

देव कार्तिक छठ मेला को मिल गया राजकीय मेला का दर्जा

औरंगाबाद सदर (पटना).देव कार्तिक छठ मेला को राजकीय मेला का दर्जा मिल गया। इसकी घोषणा बुधवार को सूबे के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री रामनारायण मंडल ने की। मंत्री ने यह घोषणा देव कार्तिक छठ मेला का उद्घाटन करने के बाद की। उद्घाटन समारोह में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री ब्रजकिशोर बिंद, सांसद सुशील कुमार सिंह, विधायक आनंद शंकर सिंह, एमएलसी राजन कुमार सिंह, पूर्व मंत्री रामाधार सिंह, डीएम कंवल तनुज व एसपी डॉ. सत्यप्रकाश सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। राजस्व व भूमि सुधार मंत्री ने कहा कि देव का अब सर्वांगीण विकास होगा। इस बार ही मेले की राशि बढ़ा दी गई है।

यहां सूर्य की उपासना से मिलती है विशेष कृपा

- ओडिसा का कोणार्क सूर्य मंदिर, पाकिस्तान के पेशावर स्थित कालपी मंदिर व औरंगाबाद का देव सूर्य मंदिर तीन ऐसी जगहें हैं, जहां सूर्य की किरणें सीधी पड़ती है। सूर्य की किरणें सीधी पहुंचने का आशय इससे है कि यहां सूर्य की आराधना करने वालों पर उनकी कृपा अधिक बनी रहती है।
- इसका जिक्र भविष्य पुराण में किया गया है। इस पुराण के मुताबिक धरती पर इंद्र वन, मुंडीर वन व कालपी भगवान सूर्य का मुख्य स्थान है। ज्योतिषाचार्य पं सतीश पाठक ने बताया कि इसका प्रमाण इससे भी मिलता है कि देव व कोणार्क मंदिर के गुंबज पर बेशकीमती नीलम पत्थर के सांचे में एक समान सोने का कलश स्थापित है।

सूर्य मंदिर नागर शैली का अदभुत नमूना

- देव सूर्य मंदिर का निर्माण गुजरात के राजा इला के पुत्र एल ने 8वीं सदी में कराया था।

छठ पूजा: सज गए बिहार के घाट,रंगीन रोशनी से नहा उठी गंगा

पटना। छठ महापर्व से पहले सभी महत्वपूर्ण घाटों की तैयारियां पूरी हो गई हैं। अंतिम दिन बुडको और निगम के पदाधिकारियों, कर्मियों और अभियंताओं ने गंगा घाटों की सजावट में अपनी पूरी ताकत झोंक दी । लाइटिंग, झालर जैसी सजावट तो सभी घाटों पर हैं। पानी में लगे बैरिकेडिंग पर भी रंग-बिरंगी झंडियां टांग दी गई हैं। बुडको के घाटों पर बुधवार की देर शाम तक झंडियां लगाई जा रही थीं। बैरिकडिंग में निगम द्वारा झंडियों के साथ-साथ रंगीन गुब्बारे भी लगाए जा रहे हैं। इन गुब्बारों से घाट का नजारा भी बिल्कुल बदला-बदला सा लग रहा है। बैरिकेडिंग में प्रयोग की गई लकड़ियां इन गुब्बारों से छिप गई हैं। लॉ कॉलेज घाट से रानी घाट, घघा घाट, रौशन घाट, पथरी घाट समेत निगम के कई अन्य घाटों को गुब्बारे से सजा दिया गया है।

मच्छरों से मुक्त होंगे सभी छठ घाट

निगम क्षेत्र के सभी 87 गंगा छठ घाट और बड़े तालाब मच्छरों के प्रकोप से मुक्त होंगे। पटना नगर निगम द्वारा बुधवार से इन घाटों पर लगातार फॉगिंग कराई जा रही है। नगर आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम से गुरुवार के दिन के 10 बजे तक दीघा से लेकर पटना सिटी तक के सभी घाटों पर फॉगिंग के निर्देश दिए गए हैं। निगम के 10 मशीनों को इस कार्य में लगाए गए हैं। इससे व्रतियों और घाट पर आनेवाले श्रद्धालुओं को मच्छरों का प्रकोप कम झेलना होगा।

सड़क और रेल आरओबी की धुलाई शुरू

शहर के सभी सात रेल ओवरब्रिज और घाटों की ओर जानेवाली महत्वपूर्ण सड़कों की धुलाई निगम द्वारा कराई जा रही है। निगम द्वारा पटना सिटी के एनएमसीएच ब्रिज, अगमकुआं, आरओबी, राजेंद्रनगर धनुष आरओबी, राजेंद्रनगर पुल, चिरैयाटांड़ पुल और चितकोहरा पुल की धुलाई की गई। बाकी पुलों और सड़कों की धुलाई रात तक जारी थी। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि सड़क धुलाई में निगम द्वारा सात टैंकर लगाए गए हैं।

सभी घाटों पर रखे गए डस्टबिन

पटना नगर निगम द्वारा गंगा के सभी छठ घाटों पर डस्टबिन रखा गया है। इसके अलावा बड़े घाटों पर कचरा व पूजन सामग्री फेंकने के लिए कपड़े का बड़ा घेरा बना दिया गया है।

किऊल रेल जंक्शन पर टूटी पटरी से गुजरी ट्रेन, हादसा टला

लखीसराय। किऊल रेल जंक्शन पर बुधवार की रात एक बड़ा हादसा होते-होते टला। रात सवा आठ बजे प्लेटफॉर्म नंबर तीन की पटरी टूट गई। हालांकि रेल प्रशासन बिना देरी एक्शन में आई और आधे घंटे के अंदर गैंगमैन की टीम ने पटरी दुरुस्त कर ली। इसके बाद रेल परिचालन पूर्ववत जारी रहा। थोड़ी ही देर में रामपुरहाट-गया पैसेंजर ट्रैक पर आनेवाली थी, जोकि आउटर सिग्नल पर खड़ी थी।पटरी टूटने की घटना उस वक्त हुई, जब प्लेटफार्म तीन होकर अप में कोयला लदी एक मालगाड़ी गुजरी। ट्रेन गुजरने के दौरान रेलकर्मी को खट-खट की आवाज सुनाई दी। जब गौर किया तो टूटी पटरी पर नजर पड़ी। उसने तुरंत रेल पथ निरीक्षक(पीडब्ल्यूआई) मनोहर लाल को सूचना दी। इसके बाद उनके दिशानिर्देश पर गैंगमैन पटरी जोड़ने में लग गए। आधे घंटे के अंदर ट्रैक दुरुस्त कर लिया गया। स्टेशन पर खड़े यात्रियों में से नौगछिया निवासी प्रकाश शर्मा ने बताया कि गरीब रथ के प्लेटफॉर्म दो पर खड़ी होने के बाद जब वह वहां पास से गुजर रहे थे, तब उनकी नजर भी टूटी पटरी पर पड़ी थी। थोड़ी ही देर में गैंगमैन जमा हुए और पटरी जोड़ दी गई।

दो दिन के अंदर यह दूसरी घटना

दो दिन के अंदर यह दूसरी घटना है। इससे पहले अहले सुबह किऊल-झाझा रेलखंड पर चानन के मननपुर के पास पटरी टूट गई थी टूटी पटरी से ही हावड़ा-दानापुर एक्सप्रेस गुजर गई थी।

बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बनीं दिलमणि मिश्रा

पटना। बिहार राज्य महिला आयोग का गठन कर दिया गया। आयोग की अध्यक्ष दिलमणि मिश्रा मनोनीत की गई हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार आयोग की सदस्य के रूप में मंजू कुमारी (अनुसूचित जाति), डॉ. निक्की हेम्ब्रम (अनु. जनजाति), रजिया कामिल अंसारी (अल्पसंख्यक), प्रतिमा सिन्हा (पिछड़ा वर्ग), डॉ. उषा विद्यार्थी (विधि विधान कोटि), नीलम सहनी (सामाजिक कार्यकर्ता कोटि) और रेणू देवी मनोनीत की गईं। सदस्य के रूप में समाज कल्याण विभाग द्वारा एक मनोनीत प्रतिनिधि (पदेन सरकारी सदस्य), गृह विभाग द्वारा मनोनीत एक प्रतिनिधि (पदेन सरकारी सदस्य) कार्य करेंगी। आयोग की सदस्य सचिव राज्य महिला विकास निगम की प्रबंध निदेशक होंगी। सभी का कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष या अगले आदेश तक इनमें से जो भी पहले हो लागू होगा।

सूरत समाचार

क्रांति समय

छठ महापर्व पर तापी घाट सहित शहर के विविध तालाबों उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ मईया का किया विधि विधान से पूजन

सूरत। श्रद्धा के महा पर्व छठ पर गुरुवार को व्रतियों नें छठ मईया का विधि विधान से पूजन करने के बाद अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस मौके पर सूरत की जीवन दायिनी तापी नदी के विविध घाटों सहित शहर के विविध तालोबों पर बने घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला। बिहार सहित समस्त गुजरात में धूमधाम से मनाए जाने वाले इस महापर्व पर चारों तरफ श्रद्धा एवं भक्ति को माहौल देखने को मिला।

शहर के नानपुरा स्थित तापी नदी के तट नावड़ी ओवारा, जहांगीरपुरा, स्थित इस्कान मंदिर के पीछे तापी नदी के घाट, पार्लेप्वाइंट स्थित राधाकृष्ण मंदिर के पीछे तापी नदी के तट, डभोली तापी नदी घाट, वेड रोड वीयर कम कोजवे, डिंडोली तालाब, करडवा तालाब, भेस्तान श्यामजीकृष्ण वर्मा लेक गार्डेन, पालमपोर गाम, जलाराम मंदिर मीनी वीरपुर के पास नहर पर , वणजारा ओवरा अमरोली, स्वामीनारायण मंदिर के पीछे अमरोली, वडोदगाम तालाब, सचिन पाली गाम सहित शहर के कई जगहों पर छठ व्रतियों का भारी हुजूम देखने को मिला।

तो इस वजह से कठिन है राहुल व हार्दिक का एक साथ खड़े होना

गांधीनगर । पाटीदार अनामत आंदोलन समिति (पीएएएस) नेता हार्दिक पटेल सोमवार को कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात होने की बात से इनकार कर रहे हैं। वहीं एक सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद उन्हें बैकफुट पर जाना पड़ा है। इस सीसीटीवी फुटेज में दोनों लोगों की मुलाकात होने का दावा किया गया है।

बीजेपी इस घटनाक्रम को अपने लिए फायदेमंद मान रही है। अल्पेश ठाकुर ने जब कांग्रेस के साथ जाने का ऐलान किया, उसके ठीक बाद बीजेपी ने पीएएएस नेताओं वरुण पटेल और रेशमा पटेल को अपने पाले में खींच लिया। भाजपा कुछ और लोगों को अपने पाले में लाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन इसमें उसे सफलता मिलती नहीं दिखाई दे रही है। लेकिन इस दौरान युवा पाटीदार नेतृत्व में दरारें सामने आ गईं हैं। पाटीदार आंदोलन की धुरी हार्दिक हालांकि बीजेपी के साथ नहीं आए। कहा यह भी जा रहा है कि उनकी राहुल से मुलाकात हो चुकी है, लेकिन इस बात को दोनों ही सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस गुजरात के जातिगत समीकरण को साधने के क्रम में ठाकुर और पाटीदार, दोनों समुदायों को अपनी ओर खींचने के क्रम में शायद ऐसा कर रही है, जोकि परंपरागत रूप से एक दूसरे के विरोधी माने जाते रहे हैं। बीजेपी और हार्दिक के पूर्व सहयोगियों वरुण और रेशमा ने हार्दिक पर 'कांग्रेस एजेंट' होने का आरोप लगाया है। ऐसे में हार्दिक के लिए भी इतनी जल्दी कांग्रेस के साथ खड़ा होना मुश्किल हो सकता है।

सूरत जिले में निष्पक्ष, भयमुक्त, न्याय एवं शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध

चुनाव के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की अड़चनों का सामना न करनी पड़े इसका ध्यान रखा जाएगा।

सूरत। भारतीय चुनाव आयोग द्वारा 25 अक्टूबर को गुजरात विधानसभा के सामान्य चुनाव 2017 की घोषणा करने के पश्चात सम्मस्त गुजरात में चुनाव आचार संहिता लागू हो गया है। जिसको ध्यान में रखते हुए गुरूवार को जिला चुनाव अधिकारी तथा सूरत के कलक्टर महेंद्र पटेल ने जिले में समाविष्ट सभी 16 विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श आचार सहिंता से संबधित अमल के संदर्भ में सभी प्रिंट एंव इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से जन सामान्य तक आवश्यक सूचना तथा जानकारियां दी है।

जिला चुनाव अधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिले में विधानसभा का सामान्य चुनाव भयमुक्त, न्यायी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण

माहौल में सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उम्म्मीदवारों तथा राजनैतिक दलों तथा संबंधित जरूरी प्रशासनिक कामकाज सरलता एवं सुगमता पूर्वक हो सके इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया गया है। चुनाव शांतिपूर्ण महौल में पूर्ण हो इसके लिए कुल 1153 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। जिले में चुनाव आचार सहिंता के अमलीकरण के लिए दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसमें सूरत जिले के ग्राम्म्मय विस्तारों के लिए नियामक श्री जिला विकास ग्राम एजेंसी तथा सूरत शहरी विकास के लिए एडिशनल सिटी इंजीनियर, सिविल एम.एम.सी. की नियुक्ति की गई है। कानून व व्यवस्था तथा उम्मीदवारों तथा पार्टियों द्वारा किए जाने वाले खर्च के निरीक्षण के लिए जिला स्तर के नोडल अधिकारी के तौर पर एस.डी. वसावा निवासी अधिक कलक्टर सूरत को नियुक्त किया गया है। सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के लिए आई.टी. सेल की रचना की गई है। जिसमें बिना आधार वाले संवेदनशील विडियो, समाचार अपलोड करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आचार संहिता से संबंधित या अन्य किसी प्रकार की चुनाव संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए हेल्पलाईन, फरियाद निवारण केंद्र जिला सेवा सदन - 2, बी-1, कंट्रोलरुम शाखा कलेक्टर कार्यालय में शुरु किया गया है।

रांदेर में 4.46 लाख की चोरी

सूरत। रांदेर के लवली प्लाजा के एक बंध फ्लैट को दिनदहाड़े अनजान चोर उचकको ने निशाना बनाकर धर में प्रवेश कर सोने के आभूषण सहित 4 लाख 4 हजार की चोरी कर फरार हो गए होने का मामला सामने आया है ।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रांदेर टाउन के लिमड़ा ओली निवासी गुलाम मोहम्मद आगाहासम व्होरा 52 निवृत्त है । रांदेर के लवली प्लाजा की पहली मंजिले पर गुलाम भाई की बहन का फ्लैट आया है । दीपावली के त्योहार के चलते गुलाम भाई की बहन फ्लैट बंध कर परिवार के साथ बाहर गए है । इसी दौरान अनजान चोर उचकको ने बंध फ्लेट को निशाना बनाया ।

बदमाशो ने फ्लैट के प्रवेशद्वार का ताला तोड़कर धर में प्रवेश कर लकड़े का तथा लोहे का कबात तोड़कर अंदर रख्खे सोने के तथा हीरे के आभूषण सहित 4 लाख 46 हजार की चोरी कर फरार हो गए । मामले की सूचना मिलते ही रांदेर थाना प्रभारी आर एम सरोदे सहित पुलिस काफिला मोके पर पहुंच कर स्थल का मुआयना कर गुलाम भाई की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा का मास्टर प्लान

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने मास्टर प्लान तैयार किया है। इसी के मद्देनजर भाजपा चुनाव में 150+ सीटों पर जीत हासिल करने के लिए सायलन्ट वोटर्स पर ध्यान केन्द्रित करेगी। भाजपा सांसद व वरिष्ठ नेता भूपेन्द्र यादव की गुजरात प्रभारी के तौर पर नियुक्ति के कुछ दिनों बाद पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के 150+ सीटों पर विजय हासिल करने के लिए उन्होंने भाजपा के मास्टर प्लान को लेकर बातचीत की। यादव ने राजनीति की समीक्षा करते हुए कहा कि किसी भी उम्मीदवार को भाजपा का टिकट दिया जाता है और वह नामांकन पत्र भर कर अमरीका चला चला जाता है, वह कोई प्रचार नहीं करेगा तो भी उससे सरलता से 30 हजार वोट मिल जाते है। इसी तरह कांग्रेस उम्मीदवारों को भी दस हजार वोट मिल सकते है, दोनों मुख्य पार्टियों के कुछ कमिटेड वोटर्स होते है। यह कमिटेड वोटर्स सायलन्ट वोटर्स होते है।

ऐसे सायलन्ट मतदाताकिसी को वोट किसे देना है यह नहीं कहते और चुपचाप मतदान कर देते हैं। सायलन्ट वोटर्स को अपनी ओर मोडने के लिए भाजपा को अफना लक्ष्यांक सिद्ध करने में काफी मदद मिलेगी। सायलन्ट वोटर्स में अधिकतर सामान्य नागरिक होते है जिसमें नौकरीपेशा वर्ग, छोटे व्यापारी,महिलाएं और युवा शामिल है। हालांकि हाल के समय में यह सभी वर्ग मुश्केलियों में है। जिसमें अधिकतर प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से राज्य व केन्द्र सरकार को जिम्मेदार मान रहे है। सामान्य नागरिकों के लिए महंगाई एक बहोत बड़ी समस्या है। पेट्रोल-डिजल, सब्जियां, कपडा और अन्य जीवनपयोगी चीजों के दाम आसमान छू रहे है। ईंधन के दाम बढने से ट्रान्सपोर्टेशन का खर्च बढ गया है जिसका विपरीत असर इन सब चीजों पर पड़ा है। सायलन्ट वोटर्स में अधिकतर सामान्य नागरिक होते है जिसमें नौकरीपेशा वर्ग, छोटे व्यापारी,महिलाएं और युवा शामिल है। हालांकि हाल के समय में यह सभी वर्ग मुश्केलियों में है। जिसमें अधिकतर प्रत्यक्ष या परोक्ष रुप से राज्य व केन्द्र सरकार को जिम्मेदार मान रहे है। ऐसे में यदि कमी रह गई हो तो वह जीएसटी ने पूरी कर दी है। भीषण महंगाई ने गृहिणियों का बजट बिगाड़ दिया है। कमिटेड वोटर्स की बात की जाए तो भाजपा के संदर्भ में पाटीदार समुदाय कमिटेड वोटर्स गिने जाते है। हाल में पाटीदार समाज व भाजपा के बीच बिगडे समीकरणों को देखते हुए भाजपा का मजबूत गिने जानेवाले पाटीदार वोटबैंक पर भी विश्वास करना मुश्किल हो रहा है।

अहमदाबाद से गुजरनेवाली छह ट्रेनों में अतिरिक्त स्लीपर कोच

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की बढ़ी संख्या और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद से गुजरने वाली छह ट्रेनों में अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए गए हैं। ट्रेन संख्या 12971/12972 बांद्रा-भावनगर एक्सप्रेस में 25 अक्टूबर को बांद्रा से 25 व 26 अक्टूबर को भावनगर से एक स्लीपर कोच अतिरिक्त रूप से लगेगा। ट्रेन संख्या 12905/12906 पोरबंदर-हावडा एक्सप्रेस में 25 व 26 अक्टूबर को पोरबंदर से तथा 27 व 28 अक्टूबर को हावडा से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगेगा। ट्रेन संख्या 19269/19270 पोरबंदर-मुज्जफरपुर एक्सप्रेस में 26 अक्टूबर को पोरबंदर से और 29 अक्टूबर को मुज्जफरपुर से एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगेगा।

कांग्रेस ने नए सिरे से शुरू की उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। पास नेता हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर के समर्थन के चलते कांग्रेस ने खासकर ओबीसी सीटों पर उम्मीदवारों के चयन प्रक्रिया नए सिरे से शुरू की है। हार्दिक पटेल ने अपने उम्मीदवारों की सूची कांग्रेस की दी होने की चर्चा के बीच पाटीदारों के मामले में कांग्रेस में अलग से विचार विमर्श किया जा रहा है। गुजरात में ओबीसी एकता मंच के कांग्रेस में प्रवेश के बाद बदले हुए राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों से राज्य में ठाकोर-कोली समेत पिछड़े जाति के प्रभुत्व वाली विधानसभा की कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम सिरे तय करने की कांग्रेस ने कवायद शुरू की है। गत सोमवार को गांधीनगर में जनादेश सम्मेलन के बाद मंगलवार को दिल्ली में हुई स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में ठाकोर-कोली समेत पिछड़े जाति के वर्चस्व वाले उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र से दक्षणि गुजरात तक के तटीय क्षेत्र की कई सीटों पर संभावित उम्मीदवारों के नाम पर पुनर्विचार किए जाने की जानकारी मिली है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाला थोराट की अध्यक्षता में बुधवार को हुई स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में राज्य में 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी वाले ओबीसी समाज के साथ हुए समझौते के मुताबिक कम से कम 60 से 70 सीटों पर उम्मीदवार बदलने पर विचार किया गया। स्क्रीनिंग कमेटी ने प्रदेश चुनाव समिति के साथ परामर्श के बाद अलग अलग सर्वे के आधार पर पहले 182 सीटों में से 100 से ज यादा सीटों पर उम्मीदवार तय कर दिए थे। लेकिन ओबीसी एकता मंच के अल्पेश ठाकोर समेत अन्य नेताओं के कांग्रेस में प्रवेश के बाद हालात बदल गए हैं और पहले तय उम्मीदवार बदलना कांग्रेस की मजबूरी हो गई है। जानकारों के मुताबिक कांग्रेस और एकता मंच के समझौते में उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र के पिछड़ी जाति के वर्चस्व वाली या राजनीतिक रूप से निर्णायक हों ऐसी 35 से 40 उम्मीदवारों के चयन में अल्पेश ठाकोर समेत नेताओं को विश्वास में लेकर उम्मीदवार तय किए जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक इन सीटों के लिए कांग्रेस ने जिन उम्मीदवारों का चयन किया था, उनके भी पिछड़ी जाति के होने से केवल चेहरे बदले जाने की संभावना है। टिकट के नाराज दावेदारों को मनाने

बीजेपी ही नहीं मोदी के लिए भी अहम हैं गुजरात चुनाव

अहमदाबाद (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद बीजेपी ने 21 विधानसभा चुनाव लड़े हैं। इनमें से 12 में बीजेपी को जीत मिली है, जबकि 9 चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। सफलता का यह आंकड़ा किसी भी राजनीतिक दल के लिए सुकून देने वाला है। दिसंबर में होने वाले गुजरात चुनाव बीजेपी ही नहीं बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए भी अहम हैं। गुजरात चुनाव में बीजेपी जब उतरेगी तब 2014 के बाद यह ऐसा पहला राज्य होगा जहां पार्टी की बहुमत की सरकार चल रही है। री-इलेक्शन में जीत की कोशिश में जुटी बीजेपी को यहां सहयोगियों का साथ भी नहीं है। नरेंद्र मोदी के पीएम बनने और अमित शाह के बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद गुजरात में होने जा रहे इस चुनाव में पार्टी का बहुत कुछ दांव पर लगा है। सन 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, मणिपुर, पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव लड़ चुकी है। बीजेपी हरियाणा, असम और उत्तराखंड में विपक्ष में रहते हुए अपने दम पर सत्ता में लौटी है। आंध्र प्रदेश, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, गोवा, मणिपुर और उत्तर प्रदेश में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी है। बीजेपी ने 21 विधानसभा चुनावों में से 12 में जीत दर्ज की है। इन 21 में से 14 राज्यों कांग्रेस या कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए की सरकार थी, लेकिन री-इलेक्शन में इनके पास केवल दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और पुडुचेरी में ही सत्ता बची।

जेतपुर में गैस रिसाव से 4 लोगों की मौत

राजकोट (ईएमएस)। जिले के जेतपुर में आज दोपहर गैस रिसाव की घटना में 4 लोगों की मौत से सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक जेतपुर के सामाकांठा क्षेत्र स्थित डाइंग एन्ड प्रिन्टिग एसोसिएशन के फिल्टर प्लांट में दीपावली की छुट्टियां खत्म होने के बाद आज कामगार सफाई कर रहे थे। फिल्टर प्लांट की सफाई के दौरान गैस रिसाव से भोजधार निवासी जयपालसिंह किशोरसिंह वाला, मध्य प्रदेश के झाबुवा के मूल निवासी राकेश ढांगा भूरिया, हरिया टीहिया भूरिया और रूसमल मंगुभाई माली की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक कामगार को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही तहसीलदार, डीवायएसपी और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक जेतपुर के सामाकांठा क्षेत्र स्थित डाइंग एन्ड प्रिन्टिग एसोसिएशन के फिल्टर प्लांट में दीपावली की छुट्टियां खत्म होने के बाद आज कामगार सफाई कर रहे थे।

घोघा-दहेज रो रो फेरी का विधिवत प्रारंभ, मोदी ने 22 अक्टूबर को किया था उदघाटन

भावनगर (ईएमएस)। घोघा-दहेज के बीच रो रो फेरी का आज से विधिवत प्रारंभ हो गया। आज सुबहर 11 बजे 25 यात्रियों को लेकर इंडिगो सीअवे का पहली पोत घोघा से दहेज पहुंची। पोत में सवार यात्रियों ने समुद्री मार्ग की यात्रा को रोमांचक और समय के साथ ही रुपए बचाने वाली सेवा करार दिया। भावनगर के घोघा से भरुच के दहेज के बीच अनेक मुश्किलों के बाद हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 अक्टूबर को रो रो फेरी का उदघाटन किया था। रो रो फेरी में यात्रा भी की थी। आज से विधिवत रूप से प्रारंभ हुई रो रो फेरी की पहली ट्रीप में यात्रा करनेवाले यात्री काफी खुश हुए। वैसे दहेज से भावनगर के बीच समुद्री अंतर केवल 30 नोटी माइल है और जो जहाज से 50 मिनट में तय किया जा सकता है। समुद्री रास्ते से भावनगर और दहेज के बीच 180 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। रो रो फेरी के प्रारंभ होने से लोगों का समय के साथ ही पैसे भी बचेंगे। साथ ही सड़क हादसों का प्रमाण भी घटेगा। आज 25 यात्री रो रो फेरी के जरिए घोघा पहुंचे, जिन्हें विशेष बस के जरिए भावनगर लाया गया। रो रो फेरी में आए इन यात्रियों ने अपनी यात्रा को रोमांचक बताया। भावनगर के घोघा से दहेज के बीच शुरू हुई रो रो फेरी के लिए घोघा और दहेज में टर्मिनल बनाए गए हैं। जहां यात्रियों को बैठने के लिए एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तापीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com